Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 20-02-2006
Participants : Pathak Shri Harin,Lalu Prasad Shri

>

Title : Regarding Bomb blasts at Ahmedabad Railway Station on 19.02.2006.

श्री हरिन पाठक (अहमदाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी का ध्यान एक बहुत ही गम्भीर मामले की ओर आकर्ति करना चाहूंगा।...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अब आप रेल मंत्री जी का इस्तीफा मांगिए?...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक : मैं तो मांग रहा हूं।...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : प्रधान मंत्री जी का हो जाएगा, तो उसमें सबका हो जाएगा।...(व्यवधान)

श्री हरिन पाठक : ठीक है, पहले रेल मंत्री जी का इस्तीफा ले लेते हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मालूम होता है, अब दोस्ती हो गई है।

...(व्यवधान)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY(PURI) : Sir, I want to speak on the same matter. I have given notice under Rule 184.

MR. SPEAKER : You have not given notice for today.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : I have given separate notice under Rule 184. …(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Notices under Rule 184 are not treated here today. Shri Tripathi, you must know by this time.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : I have given a notice on this issue under Rule 184. Will you not allow it under Rule 184?

MR. SPEAKER : I have never said so. I said, those are matters to be decided.

श्री हरिन पाठक अध्यक्ष महोदय, मैं बड़ी गंभीरता पूर्वक सदन का ध्यान इस ओर दिलाना चाहूंगा कि अभी 18-19 की मध्य रात्रि को माननीय रेल मंत्री जी के ध्यान में आया होगा कि आरडीएक्स का इस्तेमाल करके पहली बार अहमदाबाद रेल

वे स्टेशन पर एक बहुत बड़ा बम-विस्फोट हुआ।...(व्यवधान)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, if you allow me, I will speak now. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You cannot get an undertaking from the Speaker. You cannot put a question to me. I have said when you raised that matter that it will be decided whether I shall admit it or not.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Sir, this is my request. … (*Interruptions*) Sir, I am not interfering in your decision. You can take a decision on my notice. Since this is raised in 'Zero hour' and as already the matter has been raised, you should allow us. This is my request. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : If I need any advice I will take it from you.

… (*Interruptions*)

श्री हरिन पाठक अध्यक्ष जी, धन्यवाद। मैं दुबारा आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी का ध्यान आकर्ति करूंगा। बड़ी गंभीर घटना हुई है कि अभी 18-19 की मध्य रात्रि को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नं. 2 पर पहली बार आरडीएक्स का इस्तेमाल करके इतना बड़ा बम-विस्फोट हुÉÉ[R8]। जिसके कारण हम गुजरात के लोग और देश भर के लोग बहुत चिंतित हैं, क्योंकि वहां से रोजाना डेढ़ लाख लोग आते-जाते हैं। उस समय मध्य रात्रि थी और किसी ने आरडीएक्स का इस्तेमाल करते हुए वहां टाइमर बम रखा था, जो एक बजकर 43 मिनट पर ब्लास्ट हुआ। वह एक प्रचंड ि वस्फोट था, जिसके फलस्वरूप 25 लोग घायल हुए। लोगों की किस्मत थी और भगवान की दया थी कि वहां से जोधपुर से बांद्रा जाने वाली ट्रेन रवाना हो चुकी थी। इतना बड़ा विस्फोट हुआ कि प्लेटफार्म नम्बर दो की तो छत ही उड़ गई। वहां से 100 मीटर दूर प्लेटफार्म नम्बर एक के बाहर स्टेशन के हाल में जो लोग बैठे थे वे भी घायल हो गए और रेलवे के भी चार कर्मचारी गम्भीर रूप से घायल हुए हैं। इसके अलावा दो वेंडर्स भी घायल हुए। चूंकि यह स्टेशन मेरे संसदीय क्षेत्र में अैंता है इसलिए मैंने वहां का दौरा किया। यह स्टेशन शहर के बीचों-बीच स्थित है। वहां के प्लेटफार्म नम्बर दो पर जो लोहे के खम्भे लगे थे, वे सारे टूट गए और 50 मीटर की दूरी पर जितने भी ग्लास थे, वे सारे टूट गए। इन्क्वायरी ऑफिस के ग्लास टूट गए। गुजरात पुलिस की चौकी के ग्लास टूट गए। जो अनाउंसमेंट करने का केबिन था, उसके ग्लास टूट गए। 19 लोग जो स्टेशन के बाहर बैठे ते, वे भी घायल हुए। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि इतनी बड़ी घटना हुई...(व्यवधान)

श्री मधुसूदन मिस्त्री (साबरकंठा) : गुजरात सरकार से पूछिए।

श्री हरिन पाठक : आप इसे राजनीतिक रूप न दें।

अध्यक्ष महोदय : आप इसे इग्नोर कीजिए और अपनी बैंत कहें।

श्री हरिन पाठक : अगर जोधपुर से बांद्रा जाने वाली ट्रेन आधे घंटे बाद जाती और तब विस्फोट होता, तो कितनी बड़ी दुर्घटना घट सकती है, इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता।...(व्यवधान) आप इसे राजनीतिक रूप न दें। मैं चाहता हूं

कि सरकार इसकी जांच करे। आप 'आज तक- और कई न्यूज चैनल देखें तो आपको पता लग जाएगा।...(व्यवधान) आप तो चाहते हैं कि लोग मारे जाएं, विस्फोट हो और लोग मरें, लेकिन मैं इसमें राजनीति नहीं लाना चाहता। इस घटना के बारे में सभी अखबारों में और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आया है कि पहली बार आरडीएक्स का इस्तेमाल करके इतना बड़ा विस्फोट किया गया है। जोधपुर से बांद्रा जाने वाली ट्रेन इसी प्लेटफार्म नम्बर दो से थोडी देर पहले ही गुजरी थी। अगर वह आधे घंटे बाद जाती तो मिस्त्री जी हजारों लोग मारे जा सकते थे। आप इसे राजनीतिक रूप दे रहे हैं, यह सही नहीं है। रेल मंत्री जी इस पर बयान दें।

इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहता हूं कि आपने घायलों को मुआवजे के रूप में केवल 500 रुपए ौदिए हैं। यह भी रेलवेज की तरफ से मजाक किया जा रहा है कि अस्पताल में भर्ती घायलों को 500 रुपए की मदद दी जा रही है। मैं चाहता हूं कि इसकी भी जांच की जाए। जितने भी लोग घायल हुए हैं उन्हें 25,000 रुपए मुआवजे के रूप में ौदिए जाएं और जो अस्पताल में भर्ती हैं, उन्हें 50,000 रुपया मुआवजा दिया जाए। रेल मंत्री जी बयान दें कि इस विस्फोट में टाइमर बम था या आरडीएक्स का बम था और क्या यह किसी आतंकवादी ने रखा था या नहीं? इन सब प्रश्नों की हाई लेवल कमेटी द्वारा जांच कराई जाए।

अध्यक्ष महोदय : ृैपया रिपीट न करें।

श्री हरिन पाठक : उस रेलवे स्टेशन से रोजाना डेढ़ लाख लोग अैंते-जाते हैं। उनकी सिक्योरिटी को मजबा्त किया जाए।...(व्यवधान) वहां लोग मर रहे हैं, हजारों लोग मर सकते थे।

MR. SPEAKER: I have given you full opportunity. This is not fair. Do not cast aspersions on the Chair.

SHRI HARIN PATHAK : One thousand people would have died. The Government should take the seriousness of the blast.

MR. SPEAKER: Do not repeat.

SHRI HARIN PATHAK : I would request the Railway Minister to please respond to it. आप कम से कम जो अस्पताल में भर्ती हैं, उनका इलाज तो ठीक से कराएं और इस घटना पर बयान दें कि क्यों यह बम विस्फोट हुआ?...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Pathak, please listen.

स्वी हरिन पाठक : लगता है कि रेल मंत्री जी को मालूम नहीं है कि इतना बड़ा विस्फोट हुआ है।...(व्यवधान) He is not aware of the blast. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER; Can you go on interrogating like this? Can you compel anybody? You are a senior Member.

SHRI HARIN PATHAK : I know that, but when the Railway Minister is present here, he should respond and tell the House as to what has actually happened, क्या हो रहा है, क्या हुआ है...(व्य

वधान)

MR. SPEAKER: No, I will not allow.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is very unfortunate. You are misusing the opportunity.

Shri Basu Deb Achaira.

… (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : When he is present in the House, he should respond. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing more of Shri Pathak is to be recorded.

(Interruptions) … *

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, the Chief Minister of West Bengal made certain remarks against the US President, Mr. George W. Bush, in a rally in Kolkata. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will not allow him to speak because he is not co-operating with me.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will not allow him to speak now. This is not the way.

… (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : Sir, this is the only way because … (*Interruptions*)

- Not Recorded.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : इतना बड़ा विस्फोट हुआ, वह जवाब देना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : क्या जवाब देना चाहते हैं?

…(व्यवधान[reporter9])

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, the US envoy to India … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Railway Minister, do you want to respond?

… (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : Sir, you are not allowing me to speak.

MR. SPEAKER: Mr. Pathak, this is very unfortunate. Please go through the records.

… (*Interruptions*)

श्री हरिन पाठक : …(व्यवधान) इस प्रकार की गंभीर घटना पर हर कोई बैंलता है, वहां इतना बड़ा विस्फोट हुआ और …(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is the way you are treating the Chair.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is the way you are treating.

… (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : Sir, I have all the respect for the Chair.

MR. SPEAKER: I am requesting you to please sit down.

SHRI HARIN PATHAK : Sir, I am requesting the hon. Minister to respond on this issue. … (*Interruptions*) The hon. Minister is present here. Let the House know what has happened in Ahmedabad. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are not adding to your glory.

… (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : I am requesting you to direct the Hon. Railway Minister to make a statement as the hon. Minister is present here. It is a very important matter.

MR. SPEAKER: How have I not given importance to it?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will decide how the House will run. There were a number of notices, but it was said that one matter should be allowed first. I gave them my word, and I have allowed it. I

have allowed those hon. Members …

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please do not interrupt. We should give up this bad habit.

… (*Interruptions*)

AN HON. MEMBER : Yes.

MR. SPEAKER: I do not need your endorsement.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please see the agony of the Chair. I have allowed you because your matter is important. I have allowed you to raise it immediately as the number two matter. You have also taken some time, but when you started repeating yourself, then I asked you to please conclude. Now, in spite of my requests, you are insisting that I should immediately direct the hon. Minister to respond. There are ways of doing things. You are not a new Member.

Today, I myself directed the hon. Ministers to make statements.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: At least, this is not the way.

… (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : I would request the hon. Minister to respond.

MR. SPEAKER: No, if you do that, then I would not allow him. He may be a Minister, but he cannot speak here without my permission.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, I am requesting him, through you, to respond.

MR. SPEAKER: Yes, he could do it provided he wants to do it. The arrangement between the Members and the Ministers does not bind me. But this is not the way and do not think that it will be repeated.

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सूचना दी है, मैं उसे ग्रेंहण करता हूं। मुझे इसकी जानकारी है। हम लोग चिंतित हैं कि वे कौन लोग थे? जिस तरह से भावुक रूप से आपने वर्णन किया है, इतनी बैंत हम लोगों को नहीं बतायी गयी है, क्योंकि प्लेटफार्म पर लॉ ऐंड आर्डर राज्य सरकारों की जिम्मवारी है, हम इसकी जांच करा लेंगे और जांच कराके ही आपने जो मुद्दा उठा है, उसका मैं उत्तर दूंगा। कल आपकी यदि इजाजत होगी, तो 12 बजे इस पर बयान दूंगा।

SHRI HARIN PATHAK : Thank you, Sir.

MR. SPEAKER: Do not record anything except the hon. Minister. Shri Basu Deb Acharia.

*(Interruptions) ... **

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, the US Ambassador to India … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I would have got you a better statement. I would have got you a much more comprehensive statement.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I would have directed him to make a statement.

… (*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : Sir, I did request you to do it. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, you did not request me. You did not request me.

____

*Not Recorded.